डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

अप्रेल 2025 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 7, अंक 04

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय का अष्टम दीक्षान्त समारोह आयोजित (विस्तृत समाचार पृष्ठ 20 पर)

इस अंक में ....

- विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस
- विश्वविद्यालय में फार्माकोविजिलेंस पर कार्यशाला का आयोजन
- विश्वविद्यालय में क्रीड़ा महोत्सव आयुर्घोष 2025 का आयोजन
- प्रदेश स्तरीय मेला आरोग्यम्–2025 में ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से किया नाडी परीक्षण
- आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं सीसीआरएच के मध्य एमओयू
- विश्वविद्यालय में शुरू होगा पंचगव्य थेरेपी पर देश का पहला पीजी डिप्लोमा

RAJBIL/2017/74087

कुलपति सन्देश ....

विगत तीन माह में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में गुणात्मक समृद्धि देखी गइ है। विश्वविद्यालय के कुशल तथा मानव सेवैकलक्ष्य के अन्तर्गत आयुर्वेद, होम्योपैथी तथा योग व प्राकृतिक महाविद्यालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न स्थानों पर न केवल रोगियों का परीक्षण कर उपचार संबंधी परामर्श एवं निःशुल्क औषधि वितरण किया, अपितु स्वस्थ रहने के लिए ऋतु के अनुसार खानपान का परामर्श तथा नशा मुक्ति जैसे सामाजिक सरोकारों पर परामर्श भी प्रदान किया। इसी प्रकार दो गांवों को गोद लेकर विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक सरोकार वाली उदात्त प्रवृत्ति का परिचय दिया है। चिकित्सा शिक्षा को प्रोन्नत करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्वावलम्बी चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रैजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षारसूत्र थेरेपी का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है।

मुझे यह कहते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि एक केंद्र से शुरू हुआ स्वर्णप्राशन प्रकल्प आज जोधपुर के 13 स्थानों पर चल रहा है जिसमें प्रति माह हजारों बच्चे स्वर्णप्राशन का सेवन करते हैं। स्वास्थ्य जागरुकता के विषय में टीबी उन्मूलन जागरुकता शिविर, वर्ल्ड ओबेसिटी दिवस, अक्षितर्पण उपक्रम अनुसंधान, योग षट्कर्म शिविर, मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता शिविर, रिप्रोडक्टिव हेल्थ अवेयरनेस दिवस का आयोजन जैसे कई महत्वपूर्ण प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर किये जा रहे हैं जिससे बड़े पैमाने पर समाज को जागरुक करने में योगदान दिया जा रहा है। राज्य स्तरीय मेला आरोग्यम्–2025 में सॉफ्टवेयर द्वारा नाडी परीक्षण करके विश्वविद्यालय ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति और आधुनिक टेक्नोलॉजी के समन्वय से आयुर्वेद में उपलब्ध नाड़ी परीक्षण विधा को जन–जन तक पहुंचाने का एक उत्तम आदर्श प्रस्तुत किया है। नवाचार करते हुए विश्वविद्यालय में ज्योतिषीय समाधान युक्त चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, क्योंकि हमारे शास्त्रों में ज्योतिष और चिकित्सा शास्त्र का भी साक्षात् संबंध बताया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोसंवर्धन आश्रम, मोकलावास, सीसीआरएच नई दिल्ली, मारवाड़ कैटेलिस्ट, आरोग्यम् पंचकर्म चिकित्सालय जैसी संस्थाओं के साथ एमओयू किया गया। इनके माध्यम से आयुष चिकित्सा के विविध आयामों के समुन्नयन हेतु समन्वित सार्थक प्रयास किये जा सकेंगे। विश्वविद्यालय ने अपना अष्टम दीक्षांत समारोह माननीय कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाया और इस हेतु पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण मनोयोग से काम किया।

उक्त सभी गतिविधियों का नियमित संपादन यह इंगित करता है कि विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण प्रगतिशील एवं बहुआयामी है। विश्वविद्यालय की इन गतिविधियों को प्रतिदिन प्रमुख समाचार पत्रों में स्थान मिलता है जिनसे विश्वविद्यालय जन–जन तक अपनी पहुंच बना पा रहा है।

मुझे विश्वास है कि अपने विशेषज्ञ, निपुण तथा उद्यमी विश्वविद्यालय परिवार के सहयोग से निस्संदेह हम विश्वविद्यालय को अन्तरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में समर्थ होंगे।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति

कुलपति

विश्वविद्यालय व गोसंवर्धन आश्रम, मोकलावास के साथ एमओयू के अंतर्गत हो रहा पाठ्यक्रम प्रारंभ

विश्वविद्यालय व गोसंवर्धन आश्रम, मोकलावास के साथ हुए एमओयू के अन्तर्गत अब स्वस्थ जीवन के लिए स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम शीघ्र ही प्रारंभ किया जा रहा है। जिसमें गौ आधारित–पंचगव्य एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सिखाया जाएगा। साथ ही लोक में प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों का वैज्ञानिकीकरण करने के प्रमुख उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि इस अभिनव डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्देश्य समाज में दो प्रमुख स्तरों पर महत्वपूर्ण कार्य करना है। बीमारी के मूल कारणों का निवारण करने हेतु प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य के जागरुक कार्यकर्ता तैयार किए जाएंगे, जो गांवों और दूर–दराज के क्षेत्रों में रोगों के निवारण के लिए परामर्श और सरल उपचार उपलब्ध कराएंगे। दूसरा इससे अस्पतालों पर भार कम होगा और गंभीर रोगियों को बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।यह पाठ्यक्रम आम व्यक्ति को सिखाएगा कि वह कैसे स्वस्थ रहे और बीमारियों से बचे। प्रशिक्षित कार्यकर्ता गांव और छोटे स्थानों पर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाएंगे। यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयुर्वेद, पंचगव्य चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, चुंबक चिकित्सा व अन्य वैकल्पिक पद्धतियों पर आधारित है।

6 माह की अवधि के इस कोर्स में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 12 वीं परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी इस कोर्स को कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए गौ संवर्द्धन आश्रम, मोकलावास में अभ्यास भी कराया जाएगा। इस पाठ्यक्रम से पंचगव्य और प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचार–प्रसार व्यापक स्तर पर हो सकेगा। साथ ही पहले से कार्यरत पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञों को भी मान्यता व प्रमाणन मिलेगा।

सालवा कला में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 01/01/25 को गोद ग्राम सालवा कला में निःशुल्क आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कमर दर्द, साइटिका, श्वास–कास, मधुमेह, उच्च रक्त चाप, अर्निद्रा, संधिवात, आमवात, जानुशूल घुटनों में दर्द, कब्ज, श्वेतप्रदर, अर्श, अफीम व तम्बाकूजन्य विषाक्तता आदि रोगों का उपचार किया गया। शिविर में डॉ. दिलीप कुमार व्यास,

सहायक प्रोफेसर, पंचकर्म विभाग व डघ्र निवेदिता मिश्रा ꠰आरएमओक्रएवं स्नातको ार अध्येताओं द्वारा लगभग 205 रोगियों का उपचार किया गया । योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डघ्र चीं भान शर्मा ने बताया कि शिविर में हरिद्वार के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद व ज्योतिष विज्ञान के विशेषज्ञ डघ्र गजेर्नै कुमार एवं पुणे के प्राड्ढतिक चिकित्सक डघ्र पूजा व डघ्र हेमलता परिहार ने एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, इं ा रेड आदि चिकित्सा विधियों द्वारा रोगियों का उपचार किया।

ज्योतिष समाधान व होम्योपैथी चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 02 जनवरी 25 को योग प्राकृतिक चिकित्सा, ज्योतिष समाधान एवं होम्योपैथी चिकित्सा का निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने शिविर का दौरा कर ग्राम जनों को विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जागरुक किया।

शिविर में हरिद्वार से पधारे डघगर्जो कुमार द्वारा आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा परामर्श के साथ–साथ ज्योतिष के माध्यम से संधिवात, चर्म रोग, वात विकार, उदर रोग, मस्सा, श्वेत प्रदर, एलर्जी इत्यादि रोगों का योग एवं प्राड्ढतिक चिकित्सा द्वारा उपचार किया गया। ज्योतिष के माध्यम से 57 रोगियों का उपचार किया गया। इसके अतिरि७ होम्योपैथिक चिकित्सा के माध्यम से 45 रोगियों को लाभान्वित किया गया। इसके अवसर पर योग एवं प्राड्ढतिक चिकित्सा से डघपूजा बड़वी पुिणेक्र डघहेमलता परिहार, होम्योपैथी चिकित्सा से डघप्रदीप कुमार झा एवं डघ राकेश कुमार मीणा द्वारा रोगियों को चिकित्सा परामर्श दिया गया।

घड़ाव में निःशुल्क आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 02 जनवरी 25 को गोदग्राम घड़ाव में निःशुल्क आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी असिस्टेंट प्रोफेसर डघ्र नीतू शर्मा एवं डघ्र सूरज चौधरी आरएमओ व स्नातको ार अध्येताओं द्वारा शिविर में कमर दर्द, साइटिका, श्वास–कास, मधुमेह, उच्च र७चाप, अर्नीा, संधिवात, आमवात, जानुशूल, कब्ज, श्वेदप्रदर, अर्श, अफीम व तम्बाकू जन्य उर्पी व आदि रोगों के लगभग 86 रोगियों का उपचार किया गया। इसके अतिरिक्त हरिद्वार के योग एवं प्राड्ढतिक चिकित्सा, आयुर्वेद व ज्योतिष विज्ञान के विशेषज्ञ डघ्र गजेर्नै कुमार एवं पुणे से प्राड्ढतिक चिकित्सक डघ्र पूजा वाडवी, डघ्र हेमलता परिहार ने अपनी सेवाएं देते हुए एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, इं ा रेड आदि चिकित्सा विधाओं द्वारा 36 रोगियों का उपचार किया।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य और मानसिक शांति पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

विश्वविद्यालय के कघ्लेज अघ्फ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेस में प्रड्ढति, प्राड्ढतिक चिकित्सा एवं ध्यान पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन दिनांक 04/01/25 को आयोजित किया गया। व्याख्यान में हरिद्वार से आए प्रसिद्ध प्राड्ढतिक चिकित्सक डघ्र गर्जो कुमार ने स्नातक और स्नातको ार विद्यार्थियों को प्राकृतिक चिकित्सा, पांचभौतिक त वों और ज्योतिष विज्ञान के माध्यम से रोगों के उपचार की मह ा को समझाया। उन्होंने बताया कि पांचभौतिक त व पृिथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाशक्रमानव शरीर की कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते हैं और इनके आधार पर प्राड्ढतिक चिकित्सा के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

साथ ही उन्होंने ज्योतिष विज्ञान के माध्यम से विभिन्न व्याधियों के उपचार के आधुनिक और पारंपरिक तरीकों को भी समझाया। मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं जैसे तनाव और अर्नि ा के समाधान के लिए विद्यार्थियों को ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया, जिससे वे मानसिक शांति और सकारात्मकता का अनुभव कर सकें।

कुलपति प्रो. र्वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने इस अवसर पर कहा, प्राड्ड तिक चिकित्सा और ध्यान हमारी भारतीय परंपरा का हिस्सा हैं। ये न केवल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतुलन भी प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को इन विधाओं का अध्ययन करके आधुनिक समय में चिकित्सा में इसे समाहित करने का प्रयास करना चाहिए।

कार्य म संयोजक प्राचार्य डघ्र र्ची भान शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्य म में पीजीआईए प्राचार्य प्रो. मर्हेी शर्मा, संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, ी व्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, स्त्री एवं प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा, होम्योपैथी प्राचार्य डघ्र गौरव नागर और बीएससी नर्सिंग के प्राचार्य प्रो. दिनेश कुमार राय सहित कई अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे।

कुलपति के विशिष्ट आतिथ्य में वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित

राजस्थान के पत्रकारिता के इतिहास में पहल करते हुए पश्चिमी राजस्थान के पत्रकारों के प्रमुख संगठन मारवाड़ प्रेस क्लब की ओर से होटल मारवाड़ एक्सीलेंसी में दिनांक 05/01/25 वरिष्ठ पत्रकारों का मारवाड़ लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मान किया गया। कार्य म राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधिपति जस्टिस एन एन माथुर के मुख्य आतिथ्य और पद्मश्री और पद्म भूषण से सम्मानित पूर्व राज्यसभा सदस्य नारायण सिंह माणकलाव, कुलपति प्रो. र्वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति तथा जोधपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया। इसमें जोधपुर के वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह भंडारी, पदम मेहता, दिनेश माथुर, विजय कलाल, केडी इसरानी, रजनीश छंगाणी, शिव वर्मा, आरएस थापा, माणक मोर मणि, गुरुद ा अवस्थी, मोहम्मद उमर, डघ्र मोहम्मद इकबाल, आदिल अख्तर और श्याम सिंह देवड़ा को उनकी दी गई उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्फ होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सकों डघ्र अंकिता आचार्य, डघ्र राकेश कुमार मीना द्वारा श्री शिवराम नत्थूजी टॉक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूंजला में कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर दिनांक 6 जनवरी को आयोजित किया गया। जिसमें मौसमी बीमारियों, खांसी, जुखाम, बुखार, गले व कान में दर्द, भूख न लगना, मुंह में छाले, पेट में कीड़े, उल्टी—दस्त, चर्म रोग, नाक से खून बहना, र७ की कमी जैसे बीमारियों की जानकारी देते हुए 81 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की जांच कर दवाइयां देकर लाभान्वित किया गया।

विश्वविद्यालय ने दो विद्यालयों को लिया गोद

विश्वविद्यालय में दिनांक 9 जनवरी 2025 को भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्टीय आयोग, नई दिल्ली के नियम अनुसार स्नातको ार कौमारभृत्य विभाग द्वारा नर्सरी कक्षा से कक्षा 10 तक के सभी विद्यार्थियों के स्वास्थ्य विकास और मनोवैज्ञानिक विकास का आकलन करने के उद्देश्य से दो विद्यालयों मशः भवानी आदर्श विद्या मंदिर, पाल रोड, जोधपुर एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, घड़ाव को गोद लिया गया। इन दोनों विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 10 तक के सभी विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं मनोवैज्ञानिक विकास के लिए बाल विकास क्लीनिक स्थापित कर कार्य किया जाएगा।

यह आकलन प्रतिवर्ष दो बार किया जाएगा। प्रो. हरीश सिंघल विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य विभाग द्वारा दोनों विद्यालयों को गोद लेने की प्रि या संपन्न कराई गयी।

इस अवसर पर भवानी आदर्श विद्या मंदिर से प्राचार्य श्री राम प्रताप सिंह, कार्यकारिणी सदस्य श्री ओमप्रकाश माहेश्वरी जी एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य श्री चेतन राम जी ने अपनी सहर्ष सहमति देकर कुलपति महोदय का आभार व्य७ किया।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा IQAC के अध्यक्ष नियुक्त

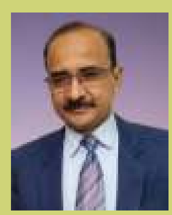

कुलपति प्रो. र्वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने डॉ. राकेश कुमार शर्मा को विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणव ा सुनिश्चयन प्रकोष्ठ र्IQACक्रका अध्यक्ष नियु७ किया है। डॉ राकेश शर्मा, पीजीआईए के स्नातको ार शरीर रचना विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के

रुप में कार्यरत हैं। इसके अतिरि७ डॉ.शर्मा विश्वविद्यालय में चीफ प्रोक्टर होने के साथ साथ, डायरेक्टर – मानव संसाधन विकास केन्द्र, डायरेक्टर–डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम केन्द्रीय पुस्तकालय, डायरेक्टर – डीपीएमई तथा नोडल ऑफिसर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। डॉ.शर्मा विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल, स्वास्थ्य पत्रिका व विश्वविद्यालय समाचारिकी के मुख्य संपादक भी हैं और विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकल्प एआईएसएचई के नोडल ऑफिसर सहित और भी कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। डॉ. शर्मा विश्वविद्यालय के सर्वोच्च शासी निकाय प्रबंध मंडल व अध्ययन मंडल के सदस्य रहे हैं व वर्तमान में गोवा यूनिवर्सिटी में बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य हैं।

NAAC आवेदन की समीक्षा बैठक में हुआ विश्वविद्यालय नववर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन

विश्वविद्यालय में नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद)एक्रेडिटेशन की तैयारी के लिए सभी कमेटियों की बैठक का आयोजन दिनांक 10 जनवरी 25 हुआ। इस बैठक में चेयरमैन, सचिव और सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर टांसडिस्प्लीनरी रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली के सीइओ डॉ.रंजू एंथोनी और डॉ.सुकेश त्रिखा द्वारा विशेषज्ञ के रूप में NAAC एक्रिडेशन हेतु मानकों की पूर्ति के लिए किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और इस हेतु विशेष जानकारियां दी गईं। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय के सभी आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय एवं बीएससी नर्सिंग महाविद्यालय के अधिकारियों, कमेटियों के अध्यक्षों को कुलपति प्रो.(वैद्य)प्रदीप कुमार प्रजापति ने मानकों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने एक्रेडिटेशन हेतु विश्वविद्यालय की शिक्षा, शोध और समग्र विकास के लिए अनिवार्य बताया। NAAC - IQAC के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि सभी आठ कमेटियों के अध्यक्षों ने इस समीक्षा बैठक में अपनी–अपनी समितियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। समीक्षा बैठक के अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के नव वर्ष 2025 के कैलेंडर का भी विमोचन किया। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर पीजीआईए प्राचार्य पीजीआईए प्रो. महेन्द्र शर्मा, टीआरएफ के सीइओ डॉ.रंजू एंथोनी और डॉ.सुकेश त्रिखा, कैलेंडर समन्वयक डॉ. राकेश शर्मा, सह समन्वयक डॉ. प्रेम वर्मा सहित अनेक संकाय सदस्य उपस्थित थे।

vk;qosZn vkSj vk/kqfud f'k{kk ç.kkyh esa leUo; t:jh&izks- çtkifr

अखिल भारतीय राष्टीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा)का 63 वां प्रदेश अधिवेशन 10–11 जनवरी को जोधपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य)प्रदीप कुमार प्रजापति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कुलपति प्रो. प्रजापति ने उच्च शिक्षण में नवीन शिक्षा पद्दति विषय पर अपना प्रभावशाली उद्बोधन दिया। अपने संबोधन में उन्होंने राष्टीय शिक्षा नीति के महत्व, उच्च शिक्षा में इसके प्रभाव, और आधुनिक व पारंपरिक शिक्षा के समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नीति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति से युवाओं के कौशल और व्यक्तित्व विकास को नया आयाम मिलेगा। अधिवेशन में विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्टीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल और डॉ.राजीव सोनी सहित राजस्थान के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

vk;qosZn fofo esa eS=h fØdsV eSp dk vk;kstu

विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के बीच 13 एवं 14 जनवरी 2025 को मैत्री क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अंतर्गत दिनांक 13.01.25 को मैत्री मैच का उद्घाटन कुलपति प्रो. (वैद्य)प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में कुलपति प्रो. प्रजापति ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलकूद का हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने छात्रों को खेलों का महत्व समझाते हुए शारीरिक सक्रियता को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। खेल और क्रीड़ा प्रभारी प्रो. गोविंद गुप्ता ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, वित्त नियंत्रक मंगलाराम बिश्नोई, पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा,

रस शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, छात्रावास अधीक्षक प्रो. चंदन सिंह सहित अनेक संकाय सदस्य व छात्र उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में उद्घाटन मैच स्नातक बैच 21 और स्नातको र बैच 21 के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में स्नातक बैच ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 84 रनों से जीत हासिल की। दूसरा मैच स्नातक बैच 23 और स्नातको र बैच 23 के बीच खेला गया। इस मैच में भी स्नातक बैच ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए 86 रनों से जीत दर्ज की।

i"; u{k= ;kx e fiyk;k Lo.kçk'ku

विश्वविद्यालय द्वारा प्रति माह पुष्य नक्षत्र योग में संचालित स्वर्णप्राशन कार्य म के अन्तर्गत मकर सं ांति दिनांक 14 जनवरी 2025 को जोधपुर शहर के 12 केन्द्रों में एम्स जोधपुर की आयुष ओपीडी, जालोरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बाल गृह,विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय करवड़, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय विक्टोरियन किड्स स्कूल एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में बच्चों को स्वर्णप्राशन करवाया।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में मकर संक्रांति पर शांति एवं आरोग्य यज्ञ का आयोजन

कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति के सान्निध्य में विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास पर मकर सं ांति के पावन अवसर पर शांति एवं आरोग्य यज्ञ का आयोजन दिनांक 14.01.2025 को किया गया।यह यज्ञ आर्य समाज के श्रीमान सेवाराम जी जांगिड़ एवं उनकी टीम द्वारा मंत्रोच्चार सहित विधि विधान से करवाया गया।

इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, वि ा नियंत्रक मंगलाराम विश्नोई, पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, पूर्व कुलसचिव एवं विभागाध्यक्ष, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, पीजीआईए, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी और योग एवं नैचुरोपैथी महाविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति ने अपने संबोधन में यज्ञ के मह व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भारतीय परंपरा का अभिन्न हिस्सा है जो न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि स्वास्थ्य और समृद्धि की प्राप्ति में भी सहायक है।

अनुबंध–वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर द्वारा दिनांक 16. 01.25 को को अनुबंध–वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें उप चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. मनाली त्यागी ने सेवाएं देते हुए खांसी, बुखार, गले में समस्या आदि मौसमी बीमारियों, जोड़ो के दर्द, मधुमेह एवं उच्च र७ चाप जैसी बीमारियों की जानकारी एवं दवाईयां देकर 35 वृद्धजनों को लाभान्वित किया।डॉ. मनाली त्यागी ने निराश वृद्धजनों का मानसिक मनोबल बढाने के लिए योग एवं साधना का महत्व बताते हुए योगाभ्यास एवं योग ि याएं करवाई। वृद्धाश्रम संचालिका श्रीमती अनुराधा अडवानी ने कुलपति का शिविर आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

ग्राम लोरड़ी जी पंडित जोधपुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा दिनांक 18.01.2025 को ग्राम लोरड़ी पंडित जी, जोधपुर में झंडू कम्पनी के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा द्वारा स्तनपान से संबंधित परामर्श एवं दूषित स्तनपान से होने वाले दुष्प्रभाव, स्तन्यजनन, स्तन्यशोधन औषधियों एवं आहार विहार के बारे में बताया गया व आज के समय में बालक के सर्वांगीण विकास एवं पोषण में माता के स्तनपान की मह ा पर प्रकाश डाला गया। शिविर में 81 महिलाओं को निःशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा उपलब्ध करवाई गई। स्नातको र अध्येता डॉ.

सरोज चौधरी ने स्तनपान की विधि एवं उपयोगी पथ्य अपथ्य के बारे में जानकारी दी।

पश्चिम राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प मेले में दस दिवसीय निःशुल्क शिविर का आयोजन

जोधपुर जिला उद्योग एवं वाणिज्यिक केर्न्र एवं लघु उद्योग भारती के सौजन्य से दिनांक 09 से 19 जनवरी 2025 तक रावण का चबूतरा मैदान में आयोजित हुए पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प मेला–2025 में आयोजन समिति द्वारा आबंटित स्टॉल पर मेला‸ भारी डघ्र नवनीत दाधीच, सहायक प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग के नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा दस दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। इसमें विशेषज्ञ आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा मेले में आये हुए विभिन्न रोगग्रस्त 640 रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया गया एवं औषधि वितरण किया गया।इसके अतिरिक्त योग व प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा जन सामान्य को ध्यान, योगासन एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में प्रायोगिक जानकारी दी गयी।

डॉ. रश्मि शर्मा का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अतिथि व्याख्यान

विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर, स्त्री एवं‸ सूति तंत्र विभाग डघ्र रश्मि शर्मा द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में A Comprehensive Approach To Abnormal Uterine Bleeding विषय पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्य म में संस्थान के अनेक शिक्षक, स्नातक व स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कछलेज अछफ होम्योपैथी, जोधपुर के द्वारा दिनांक 21 जनवरी 2024 को सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों डघ्र वृषाली बारब्दे व डघ्र नरेन पटवा ने मौसमी बीमारियों, खाखी, जुखाम, बुखार गले एवं कान में दर्द, चर्म रोग, र७ की कमी जैसे बीमारियों की जानकारी एवं दवाईयारुते हुए 32 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया।

निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कछलेज अछफ होम्योपैथी के होम्योपैथी विशेषज्ञों डघ्र अंकिता आचार्य व डघ्र राकेश कुमार मीना द्वारा दिनांक 22.01.25 को को श्री शिवराम नत्थूजी टॉक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूजला, जोधपुर में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने मौसमी बीमारियों, खाखी, जुखाम, बुखार, गले एवं कान में दर्द एवं भूख न लगना, मुह्र में छाले, पेट में कीड़े, उल्टी दस्त, चर्म रोग, नाक से खून बहना, र७ की कमी जैसे बीमारियों की जानकारी एवं दवाईयारुदेकर 62 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लाभान्वित किया गया।

निःशुल्क बीएमडी जांच शिविर आयोजित

स्नातको ार कायचिकित्सा विभाग द्वारा संजीवनी चिकित्सालय में झंडू कंपनी के सहयोग से एक दिवसीय निःशुल्क बी.एम.डी. जांच शिविर का आयोजन दिनांक 24. 01.25 को किया गया।शिविर में झंडू कंपनी के अधिकारी चीं शेखर मानावत एवं संजय पटवा ने बी.एम.डी. जांच की उपयोगिता और इसके महत्व की जानकारी देते हुए 100 से अधिक रोगियों का सफल परीक्षण किया। कार्य म में पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा, कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्र२ानन्द शर्मा सहित विभाग के शिक्षक एवं स्नातको ार अध्येता उपस्थित थे। यह शिविर हड्डी रोगों के प्रति जागरुकता बढ़ाने और रोगियों को निःशुल्क जांच की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसे लोगों ने खूब सराहा।

महिला यौन उत्पीड़न निराकरण पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

पीजीआईए सेमिनार हॉल में कुलपति प्रो. वैंद्यक्ष्रप्रदीप कुमार प्रजापति की उपस्थिति में महिला यौन उत्पीडन निराकरण विषय पर अफ्लाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 24.01.2025 को किया गया। इस कार्य म में मुख्य व७ा 2020 बैच की झारखंड कैडर की आईपीएस अधिकारी मूमल राजपुरोहित रहीं। उन्होंने अपने विस्तृत व्याख्यान में महिला यौन उत्पीडन से जुड़े सामाजिक, कानूनी और व्यावहारिक पहलुओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने बताया कि यौन उत्पीडन को रोकने और इसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए संवेदनशीलता, जागरुकता और नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है। उनके व्याख्यान ने न केवल कानूनी अधिकारों की जानकारी दी, बल्कि इसके निवारण के लिए समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारियों पर भी प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. वैंद्यक्ष्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के व्याख्यान समाज में जागरुकता लाने और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा के प्रति सभी को प्रेरित करने में सहायक होते हैं। विश्वविद्यालय महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कार्य म का संचालन पीओएसएच इंटरनल कमेटी की चेयरपर्सन प्रो. ए. नीलिमा रेड्डी द्वारा किया गया। अंत में पीजीआईए प्राचार्य प्रो. मर्हें कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

विश्वविद्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साह और जोश के साथ दिनांक 26.01.25 को मनाया गया। कुलपति प्रो. वैंद्यक्ष्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने झंडारोहण व राष्ट्रगान के पश्चात् अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमें अपने संविधान की उपयोगिता को समझना चाहिए और इसके मूल्यों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। हमें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए और अपने क र्व्यों का पालन करना चाहिए। अस अवसर पर विश्वविद्यालय में उत्कृ ष्ट कार्य करने वाले शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, नियंत्रक वि ि ाक्र मंगलाराम विश्नोई, पूर्व कुलसचिव प्रो गोविंद सहाय शुक्ल, प्राचार्य पीजीआई प्रो. मर्हें कुमार शर्मा और अनेक संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एव छात्र उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और छात्रों ने इस अवसर पर अपने देश के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान का प्रदर्शन किया। समारोह का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति की उपस्थिति में नवाचार के रूप में विश्वविद्यालय के नव निर्मित फुटबक्ष्ल ग्राउंड में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कर्मचारियों के मध्य फुटबक्ष्ल खेल का आयोजन भी किया गया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में गणतन्त्र दिवस का आयोजन

दिनांक 26 जनवरी 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में गणतन्त्र दिवस का आयोजत समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के नोडल ऑफिसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने ध्वजारोहण किया। डॉ. शर्मा ने उपस्थित समुदाय को कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा प्रेषित शुभकामनाएं दीं और कॉलेज के सर्वांगीण विकास हेतु पूरे मनोयोग से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कार्य म में प्राचार्य मो. इरशाद खान, उप प्राचार्य डॉ. नाज़िया शमशाद, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. फिरोज़ खान सहित अनेक शिक्षक, कर्मचारी व छात्र उपस्थित थे।

सिलिकोसिस रोगियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

विश्वविद्यालय एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्थान के संयु७ तत्वावधान में ग्राम मोकलावास किरूक्रमें निःशुल्क आयुर्वेद एवं प्राङ्गतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन दिनांक 27.01.25 को किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामवासियों को स्वास्थ्य संवर्धन हेतु आयुर्वेद एवं प्राङ्गतिक चिकित्सा की उपयोगिता के बारे में अवगत करवाया गया। शिविर में मुख्यतः सिलिकोसिस के रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें जागरुक किया गया। इसके साथ ही साइटिका, श्वास रोग, मधुमेह, उच्च र७ चाप, अर्नी ा आदि के 226 रोगियों को अग्निकर्म, एक्यूपंक्चर, इं़ ारेड, योग आदि द्वारा परामर्श देकर चिकित्सा दी गई। शिविर में डघ्र धन्या { षा मधु कुमार, डघ्र रवि प्रताप, डघ्र शहादत खान, डघ्र सूरज चौधरी, डघ्र अजीत सिंह चारण आदि चिकित्सकों सहित स्नातको ार अध्येताओं ने सेवाएं दीं।

NAAC एक्रेडिटेशन की दिशा में तेजी से हो रही तैयारियां

विश्वविद्यालय में NAAC ए `डिटेशन प्रि या के सम्बन्ध में कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में दिनांक 30 जनवरी 2025 को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में विश्वविद्यालय की गुणव ाा को उन्नत करने और निरीक्षण के लिए की जा रही आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई तथा इन्हें गति देने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। कुलपति ने कहा कि NAAC ए `डिटेशन केवल एक मूल्यांकन प्रि या नहीं है, बल्कि यह विश्वविद्यालय के सतत विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। हमें अपनी शिक्षा और अनुसंधान प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाकर विश्वविद्यालय को राष्टीय और अंतरराष्टीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित करना है। बैठक में NAAC चेयरमैन डघ्र राकेश शर्मा ने बताया कि NAAC ए `डिटेशन के म में शिक्षण और शोध, डिजिटल शिक्षा, छात्र कल्याण, प्रशासनिक सुधार पर चर्चा हुई और ाइटेरिया 1 से 7 तक की कमेटियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों को कुलपति द्वारा दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक में सभी ने NAAC मानकों को पूरा करने और विश्वविद्यालय की गुणव ाा को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई।

विश्वविद्यालय वनोषधि उद्यान में 51 पौधे लगा शहीदों को दी श्रद्धांजलि

विश्वविद्यालय में धन्वन्तरि वनौषधि उद्यान में 30 जनवरी 2025 को शहीद दिवस पर कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा वट, पीपल, उदुंबर, पलाश के चार पौधे लगाए गये। वहीं ीव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. चंदनसिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं एनएसएस प्रभारी डघ्र राजेंी प्रसाद पूर्विया व डघ्र मनोज अदलखा, असिस्टेंट प्रोफेसर डघ्र निकिता पवार ने रोहीतक के पेड़ लगाए तथा ीव्यगुण स्नातको ार अध्येताओं ने शीशम के पौधे लगाए। इस तरह कुल 51 पौधे लगा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में विश्व कुष्ठ दिवस का हुआ आयोजन

स्नातको ार पंचकर्म विभाग की ओर से विश्व कुष्ठ fleprosyक्रदिवस पर दिनांक 30 जनवरी 2025 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें कुष्ठ रोग के लक्षण, निदान व उपचार पर चर्चा की गई। व्याख्यान सत्र के विभागाध्यक्ष डघ्र ज्ञान प्रकाश शर्मा थे और मुख्य व७ ाओं में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डघ्र दिलीप कुमार व्यास, डघ्र अचलाराम

RAJBIL/2017/74087

कुमावत और डघ्र गौरीशंकर राजपुरोहित शामिल थे। इन विशेषज्ञों ने कुष्ठ रोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और इसके उपचार में आयुर्वेद और पंचकर्म चिकित्सा की भूमिका की जानकारी दी। इस अवसर विभाग के सभी स्नातको ार अध्येता उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में आयुर्वेद प्रशिक्षण मान्यता बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 6 फरवरी 2025 को आयुर्वेद के शैक्षणिक पाठ्य मों को मान्यता प्रदान करने की प्रि या और इससे जुड़े मानकों पर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्टीय आयुर्वेद विद्यापीठ के अन्तर्गत आयुर्वेद प्रशिक्षण मान्यता बोर्ड, नइ दिल्ली द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्य म का आयोजन किया गया। कार्य म में राजस्थान सहित देश भर से अनेक आयुर्वेद शिक्षाविदों, शोधक ाओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्य म का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद पाठ्य मों के मानकीकरण और मान्यता की प्रि याओं को समझाना और इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा करना रहा। मुख्य व७ा राष्टीय आयुर्वेद विद्यापीठ दिल्ली की निदेशक डघ्र वंदना सिरोहा ने आयुर्वेद पाठ्य मों की मान्यता की आवश्यकता और इससे आयुर्वेद शिक्षा में होने वाले सुधारों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाठ्य मों की मान्यता के माध्यम से आयुर्वेद पाठ्य मों को एक वैत्विक पहचान दिलाइ जा सकती है। कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि आयुर्वेद शिक्षा को मान्यता प्रदान करना समय की मांग है। उन्होंने इस प्रि या को आयुर्वेदिक चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए लाभदायक बताया और इस क्षेत्र में गुणव ापूर्ण शिक्षा दिये जाने पर जोर दिया। कार्य म के प्रथम सत्र में राष्टीय आयुर्वेद विद्यापीठ से डघ्र अरुण गोयल ने आयुर्वेद प्रशिक्षण मान्यता बोर्ड और इसके मानकों पर चर्चा की।

उन्होंने इसके गठन, भूमिका, और इसके मानकों को विस्तार से समझाया। दूसरे सत्र में डघ्र विशाखा बाहरी ने इसके मानक और आयुर्वेदिक पाठ्य मों की मान्यता के लिए आवश्यक दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी। कार्य म के समापन से पहले, एक प्रश्न–उ ार सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने मान्यता प्रि या से जुड़ी अपनी शंकाओं और सवालों का समाधान प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला के अवसर पर ही विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर का विमोचन भी माननीय कुलपति महोदय के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा के अतिरिक्त अनेक संकाय सदस्य और स्नातको ार अध्येता उपस्थित थे। कार्य म आयोजन में सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा और कोऑर्डिनेटर डॉ. हेमन्त राजपुरोहित ने मह वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्राम बींजवाड़िया में होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 8 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्फ होम्योपैथी के विशेषज्ञों डघ्र अंकिता आचार्य, डघ्र राकेश कुमार मीना द्वारा ट्ठ षि विश्वविद्यालय के गोद ग्राम बींजवाड़िया, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में मौसमी बीमारियों, खास्री, जुखाम, बुखार, मुह्न में छाले, उल्टी दस्त, चर्म रोग, मधुमेह एवं र७ की कमी जैसे बीमारियों के 56 मरीजों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया तथा ग्रामीणों को नशा मुि हेतु जागरुक किया गया। शिविर के दौरान ट्ठ षि विश्वविद्यालय के गोद ग्राम बींजवाडीया के नोडल अधिकारी डघ्र मर्हो कुमार जी एवं डघ्र कमल किशोर सैनी जी का सहयोग रहा।

विश्वविद्यालय में एनईपी–2020 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

दिनांक 10 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय में एनईपी सेल द्वारा एनईपी 2020 पर आयोजित प्रश्नो ारी प्रतियोगिता में कुल 250 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन चरणों में हुई प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. हरीश कुमार सिंघल, प्रो. ऋतु कपूर, डघ्र यशस्वी शाकद्वीपीय और डघ्र वि ांत त्रिपाठी रहे। कार्य म के मुख्य समन्वयक एनईपी सारथी डघ्र अशोक यादव, डघ्र अनीश चौहान, डघ्र मुबारक अली, डघ्र मर्हो सिंह, डघ्र तनुश्री और डघ्र रोहित चौहान रहे।

इस प्रतियोगिता में पूछे गये राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबंधी प्रश्नों का उ ार देते हुए विश्वविद्यालय के तीनों संघटक महाविद्यालयों में प्रथम स्थान पर बीएएमएस टीम, द्वितीय स्थान पर एमडी. आयु. एवं तृतीय स्थान पर बीएचएमएस रही। कार्य म के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इस पहल से छात्रों में नवीन उर्जा का संचार होगा। कार्य म का संचालन डघ्रअनीश चौहान और डघ्ररोहित चौहान ने किया।

विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु पार्थिव देहदान

दिनांक 10 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के संघटक पीजीआईए में चिकित्सा अध्ययन और शोध कार्य के लिए पा{थिव देहदान किया गया। इस पुण्य कार्य के अन्तर्गत मण्डोर जोधपुर निवासी स्व. रामेश्वर ँसह गहलोत की पार्थिव देह का दान उनके परिजनों द्वारा किया गया।

इसके अतिरिक्त दिनांक 17 फरवरी 2025 को स्व. श्रीमती कमला धारीवाल की पार्थिव देह का उनके पति कुशल चंद धारीवाल और उनके परिजनों के द्वारा देहदान किया गया। कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने देहदान को चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए एक अमूल्य योगदान बताते हुए परिजनों की सराहना की। कुलपति ने पार्थिव देह को प्रथम गुरु बताते हुए कहा कि यह हमारे चिकित्सा अध्ययन और शोध में सफलता का आधार बनेगी। पीजीआईए के परिसर में पा{थिव देह पर पुष्पांजलि अ{पत की गइ और छात्रों को शव आराधना शपथ किडेवरिक ओथक्रदिलाइ गइ। साथ ही, मृत पुण्यात्माओं की स्मृति में पौधे लगाये गये। प्राचार्य एवं रचना शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. महेर्न्द्र शर्मा ने देहदान को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया और अन्य लोगों से भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरणा लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर डघ्र राकेश कुमार शर्मा, डघ्र श्योराम शर्मा, डघ्र नवनीत दाधीच, डघ्र अमित गहलोत, डघ्र विजयपाल त्यागी, डघ्र चींभान शर्मा आदि संकाय सदस्य एवं स्नातको ार अध्येता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में फार्मेकोविजिलेंस पर कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 12 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट अघ्क़ आयुर्वेद के सभागार में महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा पंजीट्ट त आयुर्वेदिक चिकित्सकों के लिए फार्मेकोविजिलेंस विषयक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गइ। कार्य म की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि आयुर्वेदीय औषधियों की प्रभावकारिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फ़ार्मेकोविजिलेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में आयुर्वेदिक औषधियों का व्यापक उपयोग हो रहा है, लेकिन उनके संभावित दुष्प्रभावों और डेग इंटरेक्शन पर समुचित निगरानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में औषधीय मानकों का पालन करते हुए गुणव ाा नियंत्रण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से शोध कार्य करना आज के समय की मांग है। महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के निदेशक डघ्र बी. आर. मीणा ने फ़ार्मेकोविजिलेंस {औषधि निगरानीक्रप्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला में विशेषज्ञ व७ ाओं ने फ़ार्मेकोविजिलेंस से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। प्रथम सत्र में डघ्र मोनिका कुमारी ने फ़ार्मेकोविजिलेंस की वैज्ञानिक प्रि या और आयुर्वेदिक औषधियों में इसके अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला। डघ्र किशोर गवली ने औषधियों के प्रतिकूल प्रभावों की पहचान और रिपो{टग प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को फ़ार्मेकोविजिलेंस के तहत रिपो{टग और दस्तावेज़ीकरण की प्रि या का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला में पूर्व कुलसचिव एवं रसशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गौँवद सहाय शुक्ला, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट अघ्क़ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. महीं कुमार शर्मा, प्रो चंदन ँसह, डघ्र राजाराम अग्रवाल, संकाय सदस्य एवं स्नातको ार अध्येता उपस्थित रहे।

रिप्रोडक्टिव हेल्थ अवेयरनेस डे का हुआ आयोजन

दिनांक 13 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के स्नातको ार पंचकर्म विभाग में रिप्रोडक्टिव हेल्थ अवेयरनेस डे मनाया गया। इस कार्य म का उद्देश्य प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना और आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से इसके समाधान प्रस्तुत करना था। कार्य म में आयोजित विस्तृत व्याख्यानों में उ ार बस्ति, विरेचन, अभ्यंग एवं वाजीकरण चिकित्सा जैसी पंचकर्म पद्धतियों के माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य, यौन संचारित रोगों, गर्भावस्था देखभाल, बांझपन और आयुर्वेदिक उपचारों पर विस्तृत व्याख्यानों में आयुर्वेद और पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य को संतुलित रखने के उपायों पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही, आयुर्वेदिक औषधियों जैसे शतावरी, अत्त्वगंधा, कौंच बीज और विदारीकंद के उपयोग को भी रेखांकित किया गया। कार्य म में विभिन्न सत्रों में विद्या{थियों एवं चिकित्सकों के लिए योग एवं ध्यान, आयुर्वेदीय औषधियों की जानकारी और इंटरैक्टिव प्रश्नो ारी के रूप में अलग–2 सत्र भी आयोजित किये गये। कार्य म में विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा सहित असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. दिलीप व्यास, डॉ अचला राम और डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित सहित पी.जी. अध्येता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में क्रीड़ा महोत्सव आयुर्घोष 2025 का आयोजन

दिनांक 13 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय में अंतः कक्षीय ीड़ा प्रतियोगिता **आयुर्घोष–2025** का कुलपति प्रो. वैद्यक्र प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने सभी प्रतिभागियों को ीड़ा भावना और अनुशासन का पालन करने की शपथ दिलाते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि ीड़ा केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नह है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और मानसिक तथा शारीरिक सशि करण का एक सश माध्यम भी है। 'आयुर्घोष–2025 विश्वविद्यालय के विद्या{थियों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे न केवल अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं, बल्कि अपने चरित्र और नेतृत्व क्षमता को भी निखार सकते हैं। ीड़ा एवं छात्र कल्याण मंडल के अध्यक्ष प्रो गौं वद गुप्ता ने बताया कि आयुर्घोष–2025 के अंतर्गत ि केट, फुटबॉल, वॉलीबाल, बैडमिण्टन, शतरंज, कैरम, कबड्डी, खो–खो, रस्साकशी, दौड़, टेबल टेनिस आदि खेलों का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय के आंगिक पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट अफ आयुर्वेद, होम्योपैथिक कॉलेज, योग व प्रा तिक चिकित्सा कॉलेज एवं आयुर्वेद नर्सिंग कॉलेज के 720 से अधिक छात्र–छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। आयोजन के संयोजक एवं ीड़ा प्रभारी डॉ अरुण दाधीच ने बताया 13 से 20 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाली ीड़ा प्रतियोगिताओं के सुचारु एवं सफल संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया। उदघाटन समारोह में कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, पूर्व कुलसचिव प्रो. गौं वद सहाय शुक्ल एवं पीजीआइएए प्राचार्य प्रो महें कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में यौन व प्रजनन जागरुकता दिवस आयोजित

दिनांक 14 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के स्नातको ार स्वस्थवृ । एवं योग विभाग की ओर से यौन एवं प्रजनन जागरुकता दिवस मनाया गया। कार्य म का उद्देश्य प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना व आयुर्वेद के माध्यम से इसका समाधान करना रहा। कार्य म में स्वस्थवृ । एवं योग विभागाध्यक्ष डॉ ब्रह्मानंद शर्मा के नेतृत्व में डॉ पूजा शर्मा ने कार्य म का समन्वयन किया। वह डॉ नवनीत दाधीच, डॉ सौरभ अग्रवाल, डॉ गर्जेो दुबे, डॉ हेमंत राजपुरोहित व अन्य संकाय सदस्यों ने सहयोग किया।

ग्राम करवड़ में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

दिनांक 14 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के स्नातको ार स्त्री रोग प्रसूति तंत्र विभाग की ओर से करवड में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो ए. नीलिमा ने इस अवसर पर 18 से 75 वर्ष की 40 से अधिक महिलाओं को स्त्री रोग से संबंधित बीमारियों का चिकित्सा परामर्श दिया।

निःशुल्क श्रवण मूल्यांकन शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर सिंह साहिब में संचालित विस्तारित बाऽ रोगी सेवा के अन्तर्गत दिनांक 16 फरवरी 2025 को प्रभारी डॉ संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में

हियरिंग हेल्थ केयर क्लिनिक द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क श्रवण मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 35 मरीजों के कानों की जांच की गई तथा उचित परामर्श दिया गया। गुरुद्वारा साहिब के प्रधान श्री जिर्तों सिंह बत्रा ने बताया कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत गुरुद्वारा साहिब में अनेक शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में युवा संगोष्ठी आयोजित

विश्वविद्यालय में दिनांक 18 फरवरी 2025 को कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में **स्वबोध के लिए युवाओं का प्रयास** विषय पर युवा संगोष्ठी का आयोजन सुश्रुत सभागार में किया गया। पीजीआइ्ए प्राचार्य प्रो. मर्हों कुमार शर्मा ने बताया कि कार्य म की मुख्य व७ा अखिल भारतीय तरुणी प्रमुख विजया शर्मा ने छात्राओं को स्वयं के विकास, राष्ट्र प्रेम, आधुनिक भारत निर्माण में महिलाओं की भूमिका से अवगत करवाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केएन कॉलेज की निदेशक श्रीमती संगीता लुंकड, कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, पूर्व कुलसचिव प्रो. गौँ वद सहाय शुक्ल, सीएचआरडी निदेशक डघ्र राकेश शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गौँ वद गुप्ता, प्राचार्य योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय डघ्र चौं भान शर्मा, प्राचार्य होम्योपैथी डघ्र गौरव नागर सहित सभी आंगिक संस्थाओं से बड़ी संख्या में महिला संकाय सदस्य एवं स्नातक एवं स्नातको र छात्राएं उपस्थित थीं। कार्य म का समन्वयन डघहेमंत राजपुरोहित ने किया।

आरोग्यम् पंचकर्म चिकित्सालय के साथ एमओयू

दिनांक 18 फरवरी 2025 को कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय द्वारा आरोग्यम् पंचकर्म चिकित्सालय एवं रिसर्च सेंटर के साथ एक एमओयू किया गया जिसमें कुलसचिव डॉ. अखिलेश कुमार पिपल एवं उक्त चिकित्सालय के निदेशक डघ्र अरुण त्यागी ने हस्ताक्षर किए। इसके अन्तर्गत दोनों संस्थाओं के मध्य पंचकर्म प्रशिक्षण के म में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

ग्राम मोकलावास में पंचगव्य चिकित्सा केंद्र का शुभारंभ एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 19 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय एवं दिव्यालोक सेवा संस्थान एवं दिव्यालोक शिक्षा निकेतन के संयुक्त त वावधान में उक्त संस्थान के सभागार में डघ्र चंचलमल चौरड़िया की पुण्यतिथि पर भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व पर कार्यशाला व निःशुल्क आयुर्वेद, मर्म चिकित्सा, प्राङ्तिक चिकित्सा तथा होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ तथा संस्था के छात्र–छात्राओं को स्वर्ण प्राशन खुराक पिलाइ गयी। कार्य म के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने इस अवसर पर अँहसात्मक चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी द । संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गौँ वद गुप्ता ने बताया कि चिकित्सा शिविर में 245 रोगियों का उपचार किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रों के साथ चौरड़िया को श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थान के अध्यक्ष राजकुमार सह भंडारी ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी द । संस्थान के नवनियु७ सचिव सुरेर्न सुराणा ने डघ्र चंचलमल चौरड़िया के व्य७ त्व की जानकारी द । योग प्राचार्य डघ्र चर्न भान शर्मा ने बताया कि प्रतिमाह आयुर्वेद विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षा निकेतन में प्राङ्तिक चिकित्सा कैंप आयोजित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में पंचगव्य प्रमाण पत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्माण हेतु मीटिंग का आयोजन

दिनांक 21 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय में पंचगव्य प्रमाण पत्र प्रशिक्षण पाठ्य म प्रारंभ करने के संबंध में गठित समिति की बैठक आयोजित की गइ। बैठक की अध्यक्षता प्रो. गौँ वद प्रसाद गुप्ता, अधीक्षक, संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय ने की। इस अवसर पर समिति सदस्य एवं परीक्षा नियंत्रक डघ्र राजाराम अग्रवाल, उप कुलसचिव डघ्र मनोज कुमार अदलखा, यूनिवर्सिटी योग व प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय प्राचार्य डघ्र चौं भान शर्मा तथा लक्ष्य पर्यावरण एवं जनकल्याण संस्था के श्री राकेश निहाल उपस्थित रहे। सभी ने अपने–2 सुझाव प्रस्तुत करते हुए पाठ्य म को प्रभावी एवं व्यावहारिक बनाने

पर जोर दिया। बैठक में पाठ्य म के उद्देश्यों, पाठ्य म सामग्री, प्रशिक्षण प्रि या, परीक्षा प्रणाली और प्रमाणन प्रि या पर विस्तार से चर्चा हुइ।

फार्मेकोविजिलेंस के अन्तर्गत भ्रामक विज्ञापन विषय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 25 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय में पेरिफेरल फार्मेकोविजिलेंस कें्र, जोधपुर एवं पीजी विभाग, ी व्यगुण, पीजीआईए, जोधपुर के संयु७ तत्वावधान में **आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथिक औषधियों में फार्मेकोविजिलेंस एवं भ्रामक विज्ञापन** विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वैद्यक्र प्रदीप कुमार प्रजापति ने उद्घाटन कार्य म को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में फार्मेकोविजिलेंस औषधियों के गुणव ा नियंत्रणं एवं भ्रामक विज्ञापनों के लिए आवश्यक है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डघ् मोहम्मद खालिद, सहायक औषधि नियंत्रक, लाइसेंसिंग प्राधिकरण, नई दिल्लीक्र ने आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथिक औषधियों में गुणव ा मानकों के अनुपालन, दुष्प्रभावों की रिपोर्टिंग एवं जागरुकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में डघ् मंदीप जायसवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र भैषज्य कल्पना विभाग, एसआरएम आयुर्वेद कघ्लेज, बरेली ने आयुर्वेदिक औषधियों के मानकीकरण, वैज्ञानिक प्रमाणीकरण एवं भ्रामक विज्ञापनों द्वारा रोगियों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। कार्य म की अध्यक्षता प्रो.गोविंद सहाय शुक्ल एवं प्रो. चंदन सिंह ने की। फार्मेकोविजिलेंस कार्यशाला के समन्वयक डघ् मनोज अदलखा ने विश्वविद्यालय में फार्मेकोविजिलेंस से सम्बन्धित किए जा रहे शोध कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्य म में प्रो. देवी चाहर, प्रो. दिनेशचंी शर्मा, डघ् राजी प्रसाद, प्रो. हरीश सिंघल के अलावा यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्फ होम्योपैथी के प्राचार्य डघ् गौरव नागर, यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्फ योग एवं नेचुरोपैथी के प्राचार्य डघ् चींभान शर्मा, रसायनशाला निदेशक डघ् विजयपाल त्यागी, स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डघ् नीलिमा रेड्डी, अगदतंत्र विभागाध्यक्ष प्रो रितु कपूर, सहायक आचार्य डघ् निकिता पंवार एवं फार्मेकोविजिलेंस जूनियर फेलो डघ् ज्योति जोशी सहित स्नातक एवं स्नातको ार छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। पीजीआईए, जोधपुर के कार्यवाहक प्राचार्य डघ् राजाराम अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्वविद्यालय व मारवाड़ कैटेलिस्ट के मध्य एमओयू

कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में 25 फरवरी 2025 को मारवाड़ कैटेलिस्ट, जोधपुर व विश्वविद्यालय के बीच स्टार्टअप्स हेतु सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक एमओयू हुआ। एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से वि ा नियन्त्रक श्री मंगलाराम विश्नोई ने हस्ताक्षर किये।

महाशिवरात्रि पर कुलपति ने किया पौधारोपण

दिनांक 26 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ग्रीन कैंपस अभियान के तहत कुलपति निवास में औषधीय पादपों का रोपण किया गया। कुलपति प्रो. वैद्यक्र प्रदीप कुमार प्रजापति ने इस अवसर पर आंवले के 3, करौंदे के 20, न बू के 10, आम के 10, बादाम के 2, अमरूद के 7, शहतूत के 4, अनार के 5, नारियल के 5, सीताफल के 5, बेल के 5, पुत्रजीवक व जामुन के 4 पौधों सहित कुल 86 औषधीय पौधों का रोपण किया। इसके साथ ही योग साधना कें में त्वेत अर्क के पौधे लगाये गये। इस मौके पर प्रो. प्रजापति ने कहा कि आने वाले महीनों में पूरे कैंपस को हरा भरा और औषधीय पौधों से समृद्ध बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पौधे न केवल पर्यावरण संरक्षण में

सहायक हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी हैं। कार्य म में ीं व्यगुण विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डघ्र राजेंी पूर्विया, डघ्र नरेंी पुरोहित सहित अनेक कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

टीबी उन्मूलन जागरुकता शिविर आयोजित

दिनांक 27 फरवरी 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट अघ्फ आयुर्वेद द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केलावा कलां में टी.बी. मु७ भारत अभियान की सौ दिवसीय कार्य योजना के अन्तर्गत टीबी उन्मूलन संबंधी जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। स्वस्थवृ ा विभागाध्यक्ष डघ्र ब्र२ ानंद शर्मा एवं डघ्र नवनीत दाधीच, के नेतृत्व में कार्य म समन्वयक डघ्र पूजा शर्मा एवं श्री श्याम लाल बिश्नोइ सह–समन्वयक रहे। बच्चो को विश्वविद्यालय का परिचय करवाते हुए टी.बी. के लक्षण एंव बचाव के बारे में जानकारी दी गयी व उपयोगी योग आसनों का अभ्यास करवाया गया। कार्य म के अंत में टी.बी. उन्मूलन संबंधी शपथ दिलवाइ गइ।

ग्राम गांगानी में चिकित्सा शिविर आयोजित

दिनांक 28 फरवरी 2025 को आयुर्वेद विश्वविद्यालय के स्नातको ार प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा ग्राम गांगानी में एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डघ्र रश्मि शर्मा द्वारा **ईटिंग डिसॉर्डर अवेयरनेस वीक–2025** की थीम को ध्यान में रखते हुए खानपान में जो महिलाए जागरुक नह रहती, उनकी आहार संबंधित सभी समस्याओं तथा उनसे निजात पाने के लिए उपयु७ सभी पौष्टिक आहारों की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही महिलाओं में होने वाले रोग बांझपन, गर्भाशय ग्रीवा मुख के छाले, त्त्वेतप्रदर, अल्पार्तव, कष्टार्तव, रजोनिवृ िजन्य विकारों तथा गर्भिणी से संबंधित रोगों यथा स्तन्यक्षय आदि की 91 महिला रोगियों का उपचार किया गया।

विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा पर प्रतियोगिता आयोजित

दिनांक 28 फरवरी 2025 को राष्टीय शिक्षा नीति इकाई द्वारा भारतीय भाषा पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 20 स्नातको ार एवं स्नातक प्रतिभागियों ने गायन, नाटक एवं पोस्टर श्रेणी में भाग लेकर तेलुगु, कन्नड़, हिन्दी, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृ त, मणिपुरी, गुजराती एवं हरयाणवी आदि भारतीय भाषाओं के महत्व को दर्शाया। नाटक बीमार मां के माध्यम से हिन्दी में मातृभाषा की मार्मिक स्थिति को उजागर किया गया। निर्णायक मण्डल के सदस्य योग व प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेज प्राचार्य, डघ्र चर्न भान शर्मा तथा होम्योपैथी कॉलेज के प्राचार्य डघ्र गौरव नागर ने भारतीय भाषा उत्सव द्वारा भाषा के विकास के लिए उचित वातावरण तैयार करने व राजस्थानी गीत द्वारा श्रोताओं का उत्साहवर्धन करते हुए विविध भाषाओं के महत्व को बताया। कार्य म में आयोजन अध्यक्ष पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेर्न शर्मा, प्रो. डिघ्क्रदिनेश चर्न शर्मा, प्रो. डिघ्क्ररितु कपूर एवं डघ्र यशस्वी शाकद्वीपीय ने आयोजन से संबंधित जानकारी दी और साथ ही एनईपी 2020 के तहत होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सारथी कघ्ओर्डिनेटर प्रो. डिघ्क्र हरीश कुमार सिंघल ने बताया कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय यूजीसी द्वारा निर्देशित प्रतिमाह एनईपी सारथी विद्यार्थियों की सहायता से राष्टीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार हेतु गतिविधियां आयोजित कर रहा है। कार्य म में 200 से ज्यादा विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन डघ्र अनीष चौहान द्वारा किया गया तथा मंच संचालन डघ्र अशोक यादव, डघ्र महेर्न , रोहित एवं तनुश्री साहु द्वारा किया गया।

प्रदेश स्तरीय मेला आरोग्यम्–2025 में ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से किया नाडी परीक्षण

राजस्थान में आयुर्वेद एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयुष विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से राज्य स्तरीय आरोग्य मेले आरोग्यम्–2025 का आयोजन दिनांक 1 मार्च 2025 से 4 मार्च 2025 तक जयपुर के शिल्पग्राम, जवाहर कला केंी में हुआ। मेले में विश्वविद्यालय द्वारा दी गई नाड़ी परीक्षण सेवाएं आकर्षण का मुख्य केंी रहीं। इस हेतु समन्वयक काय चिकित्सा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डघ्र करण सिंह के नेतृत्व में स्नातको ार अध्येता डघ्र चांदनी गोयल, डघ्र सविता मीना, डघ्र हितेर्न कुमार यादव, डघ्र अनिल वर्मा द्वारा सेवाएं देते हुए सैकड़ों लोगों का नाड़ी परीक्षण किया गया। नाडी परीक्षण अघ्नलाइन सघ्टवेयर नाडी तरंगिणी द्वारा किया गया। इस मेले का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को सश७ बनाना और इसे आम जनता तक पहुंचाना था। मेले के दौरान जनसामान्य को आयुर्वेद, योग एवं नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन और प्रभावी चिकित्सा परामर्श दिया गया।

वर्ल्ड ओबेसिटी डे का आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातको ार पंचकर्म विभाग के द्वारा दिनांक 4 मार्च 2025 को वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया गया। इस कार्य म का उद्देश्य ओबेसिटी मिीटापाक्रे प्रति जागरुकता बढ़ाना और आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से इसके समाधान एवं निवारण के उपायों के बारे में बताना था। कार्य म में पंचकर्म विभागाध्यक्ष डघ्र ज्ञान प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में डघ्र दिलीप कुमार व्यास, डघ्रअचलाराम कुमावत और डघ्र गौरी शंकर राजपुरोहित द्वारा ओबेसिटी के निदान, पूर्वरूप, लक्षण, आयुर्वेदिक उपचार एवं पंचकर्म चिकित्सा पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर पीजी अध्येता डघ्र पूजा कलाल ने ओबेसिटी डे पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।

ग्राम बावड़ी में स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग का एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

दिनांक 06 मार्च 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट अफ़ आयुर्वेद के स्नातको ार स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा ग्राम पंचायत बावड़ी में एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डघ्र हेमन्त कुमार ने बताया कि शिविर में 46 रोगी लाभान्वित हुये जिसमें महिलाओं के मासिक धर्म से संबंधित विकार, श्वेत प्रदर, कष्टार्तव, बंध्यत्व के साथ सामान्य बीमारियों का निःशुल्क उपचार किया गया। शिविर में स्नातको ार अध्येता डघ्र महेर्न्द्र , डघ्र संजय, डघ्र प्रियंका, नर्सिंग कर्मचारी प्रमिला आदि उपस्थित रहे।

सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षारसूत्र थैरेपी पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित

स्नातको ार शल्य तंत्र विभाग द्वारा संचालित सेमी अघ्रलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षारसूत्र थैरेपी के सत्र जनवरी 2025 के प्रथम बैच के प्रथम अघ्रलाइन सत्र में देश के विभिन्न प्रांतों से आए हुए अभ्यर्थियों को दिनांक 6 मार्च 2025 को कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति एवं प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गये। प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कोर्स के लिए देश भर से कुल 51 अभ्यार्थियों का चयन किया जाकर अघ्रलाइन कक्षाओं के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। उक्त ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित होने के पश्चात इनको ऑफलाइन प्रेक्टिकल टैनिंग दी गई। इस अवसर पर शल्य तंत्र विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर डघ्र विष्णुद ा शर्मा सहित सभी संकाय उपस्थित रहे।

मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित

दिनांक 7 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास कें द्वारा डघ्र सुरेश स्वर्णपुरी, अध्यक्ष, यूरोप आयुर्वेद एकेडमी, ांस का **Opportunities & Acceptance of Ayurved in Global Scenario** विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. स्वर्णपुरी ने आयुर्वेद के अंतरराष्टीय परिदृश्य में बढ़ते मह व, संभावनाओं और इसकी वैत्विक स्वीकृ ति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति किस प्रकार आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के साथ तालमेल बिठाकर रोगियों को समग्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकती है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद को वैत्विक स्तर पर स्वीकार्यता दिलाने के लिए शिक्षकों, शोधकर्ताओं और

विद्यार्थियों को संयु७ प्रयास करने होंगे। कार्य म के प्रारम्भ में मानव संसाधन केन्द्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कार्य म प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के अध्ययन एवं शोध कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं अक्षितर्पण उपक्रम अनुसंधान परियोजना विवरणिका का विमोचन

दिनांक 07 मार्च 2025 को स्नातको ार पंचकर्म विभाग द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं अक्षि तर्पण उप म अनुसंधान परियोजना विवरणिका का विधिवत विमोचन कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा किया गया। इस अवसर पर अन्तरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डघ्र सुरेश स्वर्णपुरी, डघ्र बैद्यनाथ मिश्रा, पंचकर्म विभागाध्यक्ष डघ्र ज्ञानप्रकाश शर्मा, सीएचआरडी निदेशक डघ राकेश कुमार शर्मा, ी व्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल, डॉ. राजबीर सिंह, सहायक आचार्य डघ्र राजीव सोनी, डघ्र दिलीप कुमार व्यास, डघ्र निकिता पंवार, डघ्र अचला राम कुमावत, डघ्र अशोक यादव, डघ्र गौरीशंकर राजपुरोहित उपस्थित रहे।

महिला स्वास्थ्य शिविर आयोजित

स्नातको ार प्रसूति तंत्र व स्त्री रोग विभाग तथा जगत फार्मा द्वारा श्री पुष्टिकर श्रीपुरोहित सूरज राज रुपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय, सिवांची गेट में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 8 मार्च 2025 को महिला स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की चिकित्सा विशेषज्ञ एसोसिएट प्रोफेसर डघ्र रश्मि शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम बालिका एवं महिला सशि७ करण एवं लैंगिक समानता इस विषय पर अपने विचार व्य७ किये तथा महिलाओं से संबंधित सामान्य समस्याओं के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त अनियमित माहवारी, अल्पार्तव, कष्टार्तव, योनि स्राव, सफेद पानी, योनि कंडू, मूत्रदाह आदि विकारों से पीड़ित महिलाओं का निःशुल्क परामर्श देते हुए औषध वितरण किया गया। इस शिविर से 71 महिलाएं लाभान्वित हुई।

महिला दिवस पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास और लैंगिक समानता पर विचार–विमर्श

दिनांक 8 मार्च 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट अक्ष्क आयुर्वेद, जोधपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्य म में महिलाओं के सर्वांगीण विकास, लैंगिक समानता एवं नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्य म की शुरुआत डघ्र पूजा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, स्वस्थवृ ा विभाग द्वारा मंच संचालन से हुई। इसके पश्चात् प्रो. ए. नीलिमा, एचओडी, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने महिलाओं में महिला स्वास्थ्य विषय पर विचार व्य७ किए। प्रो. ऋतु कपूर, एचओडी, अगद तंत्र विभाग ने सतत भविष्य के लिए लैंगिक समानता पर जोर दिया, वहीं डघ्र मनीषा गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग ने लैंगिक समानता हेतु नवाचार एवं तकनीक पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

डघ्र वृषाली बराब्दे, एसोसिएट प्रोफेसर एवं एचओडी, एनाटक्षी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी ने लैंगिक समानता में तीव्र प्रगति की आवश्यकता पर चर्चा की। इसके अतिरि७ , डघ्र पूजा शर्मा ने महिलाओं में स्तन और गर्भाशय कैंसर की जागरुकता विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डघ्र निवेदिता, आरएमओ ने भी सतत भविष्य के लिए लैंगिक समानता पर अपने विचार व्य७ किए। इस अवसर पर कई सांस्क्ट तिक एवं प्रतिस्पर्द्धात्मक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बीएएमएस, बीएचएमएस एवं पीजी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में डघ्र आशा के. पी., सहायक प्रोफेसर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

जोधपुर शहर के 13 केन्द्रों पर स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्य म 10 मार्च सोमवार को पुष्यनक्षत्र योग में एम्स, जोधपुर की आयुष ओ.पी. डी. में, जालौरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बालगृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय विक्टोरियन किड्स स्कूल एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड और मोकलावास में आयोजित किया

गया, जिसमे सैकड़ों की संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को नियमित रूप से स्वर्णप्राशन डेक्स पिलाने के लिये पहुंचे। स्नातको ार बालरोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने विभिन्न केर्नी ों पर सुचारु रूप से व्यवस्था के लिये चिकित्सकों एवं स्नातको ार अध्येताओं की ड्यूटी लगाकर कार्य सम्पादन करने के लिए निर्देशित किया।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं सीसीआरएच में एमओयू

दिनांक 11 मार्च 2025 को आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं केर्नी ीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् र्सीसीआरएचक्र नई दिल्ली के मध्य एमओयू हुआ जिसमें कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल एवं केर्नी ीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के डायरेक्टर जनरल डघ् सुभाष कौशिक द्वारा हस्ताक्षर विनिमय किया गया।

कार्य म को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सीसीआरएच के महानिदेशक डघ् सुभाष कौशिक ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित होम्योपैथी महाविद्यालय में भविष्य में होने वाले नवाचारों, शोध कार्यों मे सीसीआरएच नई दिल्ली द्वारा हर प्रकार से सहयोग दिया जाएगा। कार्य म की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. विंद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि यह एमओयू आयुष चिकित्सा पद्धतियों को वित्त्व स्तर पर पहचान दिलाने में सहायक सिद्व होगा एवं होम्योपैथी चिकित्सा में नवाचार से अनेक शोध कार्यों द्वारा आमजन को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। कार्य म की शुरुआत एक वैज्ञानिक सत्र से हुई, जिसमें रिसर्च अधिकारी डघ् चेतना लांबा एवं रिसर्च अधिकारी डघ् निधि महाजन ने केर्नी ीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के द्वारा वर्तमान में होम्योपैथी के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक अधिकारियों को अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, होम्योपैथी नोडल अधिकारी प्रो.गोविन्द प्रसाद गुप्ता, प्राचार्य पीजीआईए प्रो.महेर्नी शर्मा, डीन रिसर्च प्रो. देवेर्नी चाहर, मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश र्ची शर्मा एवं प्राचार्य यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्क होम्योपैथी जोधपुर डघ् गौरव नागर, प्राचार्य यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्क होम्योपैथी, केकड़ी डघ् पुनीत आर. शाह एवं शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

सात दिवसीय यौगिक षट्कर्म शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्क नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज के परिसर में 5 से 12 मार्च 2025 तक यौगिक षट्कर्म शिविर कार्य म आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विंद्यक्र प्रदीप कुमार प्रजापति ने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में षट्कर्म के मह व पर प्रकाश डालते हुए गजकरणी, जलनेति एवं सूत्रनेति अभ्यास के स्वयं के अनुभवों को छात्र–छात्राओं से साझा करते हुए सभी को पूर्ण मनोयोग से सीखने एवं अभ्यास को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने षट्कर्म सप्ताह में किए गए अभ्यास से होने वाले मनोदैहिक प्रभावों के बारे में प्राप्त होने वाले लाभ साझा किये। इसके अतिरि७ विशिष्ट अतिथि पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीट्यूट अघ्क आयुर्वेद के निदेशक प्रो. महेर्नी कुमार शर्मा ने स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में अहम भूमिका रखने वाले षट्कर्मों को प्रभावकारी बताया। यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्क नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज के प्राचार्य डघ् र्ची भान शर्मा एवं असिस्टेंट प्रोफेसर सतीश ठाकुर ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम उमंग–2025 में कुलपति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित

ड्ढ षि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय सांस्ड्ढ तिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं **उमंग–2025** के समापन समारोह का आयोजन 12 मार्च 2025 को हुआ। कार्य म के समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विंद्यक्र प्रदीप कुमार प्रजापति रहे, जबकि कार्य म की अध्यक्षता ड्ढ षि विश्वविद्यालय के कुलपति डघ् अरुण कुमार ने की। विशेष अतिथि के तौर पर डघ् रोलैंड ॄ टिंग, चैयरमेन, एपीएन मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डघ् प्रजापति ने कहा कि भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु राजस्थान की प्राड्ढ तिक संपदा का संरक्षण करना अनिवार्य है तथा इसका अपव्यय नहीं करना चाहिए।

विश्वविद्यालय में छात्रों व संकाय सदस्यों ने खेली होली

विश्वविद्यालय स्थित कुलपति निवास में होली का पर्व दिनांक 15 मार्च 2025 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट अॉफ़ आयुर्वेद, यूनिवर्सिटी कॉलेज अॉफ होम्योपैथी, संकाय सदस्य, कर्मचारियों एवं छात्र– छात्राओं ने एकजुट होकर रंगों के इस पावन पर्व को धूमधाम से मनाया। होली समारोह में कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति ने सभी को सद्भावना और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। हमें इस पर्व के माध्यम से समाज में समरसता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना चाहिए। छात्र–छात्राओं ने एक–दूसरे को रंग–गुलाल लगाकर बधाई दी और संगीत एवं सांस्कृतिक कार्य मों का आनंद लिया। संकाय सदस्यों ने भी विद्यार्थियों के साथ होली खेली और पारंपरिक गीतों पर झूमे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में रंगों की उमंग और उत्साह का अनोखा नज़ारा देखने को मिला। सभी ने मिलकर आनंदपूर्वक होली खेली और एक–दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर उत्सव को और भी खास बनाया।

पूर्व कुलपति को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

आयुर्वेद के क्षेत्र में अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़ को दिनांक 17 मार्च 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को भारत सरकार के आयुष मंत्री श्री प्रताप राव जाधव ने प्रदान किया। सम्मान समारोह के दौरान आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने प्रो. गौड़ के योगदान की भूरि–भूरि सराहना की। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से लोकसभा सांसद वैद्य राजीव भारद्वाज, आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा, भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के अध्यक्ष जयंत देव पुजारी, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की शासी निकाय के अध्यक्ष वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा उपस्थित रहे। इन सभी अतिथियों ने प्रो. गौड़ को बधाई दी और उनके कार्यों की प्रशंसा की। ज्ञातव्य है कि पूर्व कुलपति ने अपने कार्यकाल में आयुर्वेद शिक्षा, शोध और चिकित्सा में कई महत्वपूर्ण पहल कीं। आयुर्वेदिक ग्रंथों और चिकित्सा पद्धतियों का आधुनिकीकरण, नई शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देना और युवाओं को अनुसंधान के लिए प्रेरित करना, आयुर्वेदिक औषधियों के वैज्ञानिक मानकीकरण और प्रमाणिकता पर विशेष कार्य, आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को वैत्विक स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईआईटी जोधपुर द्वारा आयोजित थ्राइव–2025 में कुलपति द्वारा अतिथि व्याख्यान प्रस्तुति

कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति ने आईआईटी जोधपुर में बायोसाईन्सेज़ और बायोइन्जीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 19 मार्च 2025 को आयोजित थ्राइव 2025 (Transforming Thar Eco-region through Start-ups, Innovation & Entrepreneurship for Sustainable Development) के प्लेनरी सत्र में भाग लिया। कुलपति ने Need & Propagation of Startup and Innovation in Present Scenario पर एक व्याख्यान दिया।

ग्राम करवड़ में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 20 मार्च 2025 को प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा ग्राम करवड़ जोधपुर में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिव्या शर्मा द्वारा 18 से 75 वर्ष की 50 से अधिक महिलाओं को त्वेत प्रदर, स्तन्यक्षय, कष्टार्तव, उदर शूल, योनि भ्रंश, त्वक् विकार, ज्वर, सन्धि शूल, कास आदि का निःशुल्क उपचार किया गया।

वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कच्लेज अच्क होम्योपैथी जोधपुर की उप चिकित्सालय अधीक्षक डघ्मनाली त्यागी ने दिनांक 20 मार्च 2025 को अनुबंध–वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में सेवाएं दी। इस शिविर में 27 वृद्धजनों को खास्री, बुखार, गले मे समस्या आदि मौसमी बिमारियों, जोड़ों के दर्द, मधुमेह एवं उच्च र७ चाप जैसे बीमारियों हेतु निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। डघ्त्यागी ने निराश वृद्धजनों का मानसिक मनोबल बढ़ाने के लिए योग एवं साधना का मह व बताते हुए कुछ अभ्यास भी करवाए।

विश्वविद्यालय का अष्टम दीक्षान्त समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय का अष्टम दीक्षांत समारोह दिनांक 21 मार्च 2025 को माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभा{ बागड़े की अध्यक्षता में भव्य रूप में आयोजित किया गया। समारोह में पूर्व कुलपति प्रो. वैद्य बनवारीलाल गौड़ राज्यसभा सांसद डघ्राजेर्ी गहलोत एवं आईआईटी निदेशक प्रो. अविनाश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में माननीय राज्यपाल श्री हरिभा{ बागड़े ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आयुष चिकित्सा प्रणाली को जन–जन तक पहुस्राने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के बारे में यह भ्रांति है कि यह धीरे असर करता है, जबकि वास्तव में यह रोग को जड़ से समाप्त करता है। उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी का उदाहरण देते हुए बताया कि यह आयुर्वेद की विश्व को दी गई एक महत्वपूर्ण देन है। राज्यपाल ने दीक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक कार्य म नहीं, बल्कि यह एक नए सफर की शुरुआत है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करें और आयुर्वेद की मह ाा को जन–जन तक पहुस्राने का कार्य करें। कार्य म के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.वैद्यक्रबनवारीलाल गौड़ ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि आयुर्वेद का ज्ञान केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं बल्कि यह सैद्धान्तिक और प्रयोगात्मक अध्ययन का समन्वय है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक शिक्षा व्यछि को नैतिकता, आत्मसंयम और सत्यनिष्ठा की ओर अग्रसर करती है और समाज के कल्याण में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि डघ्एपीजे अब्दुल कलाम और बर्नार्ड शघजैसे महान विचारकों ने भी व्यावहारिक शिक्षा पर बल दिया है। भारतीय उपनिषदों के अनुसार, शिक्षा केवल सूचनात्मक ज्ञान नहीं है बल्कि यह आत्मिक और नैतिक विकास का साधन भी है। समारोह में राज्यसभा सांसद डघ्राजेर्ी गहलोत ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा न केवल भारत की प्राचीन धरोहर है, बल्कि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ मिलकर मानवता की सेवा में नए आयाम स्थापित कर रही है। आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तकनीक और नवाचार के नाध्यम से आयुर्वेद को अधिक वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली का एक मजबूत स्तंभ बन सके। विशिष्ट अतिथि माननीय राज्यपाल के सचिव डघपृथ्वी सिंह रहे। कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

परीक्षा नियंत्रक एवं दीक्षांत समारोह कार्य म के नोडल अधिकारी डघ्राजाराम अग्रवाल ने बताया कि समारोह में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी एवं आयुर्वेद नर्सिंग संकाय के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्यपाल महोदय के करकमलों द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। जिसमें बीएएमएस गोल्ड मेडलिस्ट पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट अच्क आयुर्वेद की कोमल कंवर, बीएचएमएस गोल्ड मेडलिस्ट स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कच्लेज, जयपुर से गुलनाज खान, बीयूएमएस गोल्ड मेडलिस्ट राजपूताना यूनानी मेडिकल कच्लेज, जयपुर से मोहम्मद सूफियान एवं बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग गोल्ड मेडलिस्ट श्रीमती रामकुमारी आयुर्वेद संस्थान, झुंझुनू से मोना नैनाकवाल को सम्मानित किया गया। द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को राज्यपाल द्वारा उपाधियां प्रदान की गईं। दीक्षांत समारोह में 1426 विद्यार्थियों को उपाधियात्र्प्रदान की गईं, जिनमें 16 पीएचडी, 119 एमडी/एमएस आयुर्वेद, 19 एमडी होम्योपैथी, 717 बीएएमएस, 227 बीएचएमएस, 157 बीयूएमएस, 97 बीएनवाईएस और 74 बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग के विद्याथत्र शामिल थे।

इस अवसर पर जोधपुर स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रशासनिक अधिकारी, आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. मर्ही कुमार शर्मा, होम्योपैथिक संकाय के डीन डॉ. जयराम चौधरी, यूनानी संकाय के डीन डॉ. मोहम्मद आज़म अंसारी एवं योग नेचुरोपैथी संकाय डीन डॉ.एकलव्य बोहरा सहित बोर्ड अॉफ मैनेजमेंट, अकादमिक परिषद के सदस्य, संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित विभिन्न विषयों की पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया एवं कार्य म का संचालन डॉ. संजय श्रीवास्तव ने किया।

वर्ल्ड ट्यूबरक्लोसिस जागरुकता दिवस का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज अॉफ होम्योपैथी जोधपुर महाविद्यालय में दिनांक 24 मार्च 2025 को वर्ल्ड ट्यूबरक्लोसिस जागरुकता दिवस का आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. गौरव नागर ने बताया कि इस कार्य म के अंतर्गत बी.एच.एम.एस. चतुर्थ वर्ष के छात्र–छात्राओं के द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निर्णायक डॉ. अभिषेक भारद्वाज, डॉ. वि ांत त्रिपाठी, डॉ. धर्मेन्द्र सैनी द्वारा प्रतियोगिता के विजेता समूह का चयन किया गया। कार्य म में बी.एच.एम.एस. चतुर्थ वर्ष के छात्र–छात्राओं द्वारा ट्यूबरक्लोसिस के लक्षण, उपचार एवं रोकथाम की जानकारी पोस्टर द्वारा दी गई। कार्य म का संचालन डॉ. राकेश कुमार मीना, सहायक आयार्च कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया। कार्य म में डॉ. नितेश जांगिड़, डॉ. राजवीर सिंह राठौड़, डॉ. अंकिता आचार्य सहित बी. एच.एम.एस. द्वितीय एवं व तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

ट्यूबरकुलोसिस डे पर विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन

पीजीआईए के स्नातको ार पंचकर्म विभाग द्वारा दिनांक 24 मार्च 2025 को वर्ल्ड ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) डे पर टीबी के प्रति जागरुकता बढ़ाने और आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से इसके समाधान प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में एक कार्य म का आयोजन किया गया। कार्य म में पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित उपस्थित रहे। उन्होंने टीबी के लक्षण, कारण, सं मण के तरीके, बचाव के उपाय और आयुर्वेदिक उपचारों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस अवसर पर पी.जी. अध्येता, डॉ. नीरज पाठक एवं डॉ. भावेश ने ट्यूबरकुलोसिस पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने आयुर्वेद और पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से टीबी के प्रबंधन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के उपायों पर प्रकाश डाला। उनके व्याख्यान में फेफड़ों की टीबी, एक्स्टा पल्मोनरी टीबी, एमडीआर टीबी (मिल्टी–ड्रग रेसिस्टेंट टीबी) और टीबी की जटिलताओं पर चर्चा की गई। आयुर्वेद और पंचकर्म चिकित्सा की भूमिका को स्पष्ट करते हुए पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने स्वेदन, अभ्यंग, नस्य, विरेचन, बस्ति और रसायन चिकित्सा जैसी पंचकर्म पद्धतियों को टीबी के प्रबंधन में सहायक बताया। कार्य म के दौरान टीबी की समय पर पहचान, उपचार में आयुर्वेदिक दृष्टिकोण, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय और योग एवं प्राणायाम के मह व पर विशेष चर्चा की गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों के लिए टीबी जागरुकता सत्र, प्रश्नो ार सत्र और पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

नशा मुक्ति शिविर में ग्रामीणों को किया जागरुक

स्नातको ार अगदतंत्र विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति इकाई के त वावधान में दिनांक 25 मार्च 2025 को गोदग्राम सालवा कलां में नशे की लत से ग्रस्त रोगियों को उचित आयुर्वेदिक चिकित्सा और परामर्श प्रदान करने तथा ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से निःशुल्क नशा मुक्ति चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. प्रवीण प्रजापत ने बताया कि शिविर में अफीम, डोडा, स्मैक, तम्बाकू, सिगरेट और शराब जैसी लत से पीड़ित 41 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक परामर्श दिया गया और उन्हें विशेष रूप से तैयार आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गई। यह औषधियां नशे की लत छोडने, शरीर की डिटॉक्सिफिकेशन प्रि या को तेज़ करने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती हैं। साथ ही मरीजों को योग, ध्यान और पंचकर्म चिकित्सा से जुड़ी महत्वपूर्ण

जानकारी देते हुए नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक किया गया। गोदग्राम के नोडल अधिकारी डघ् नवनीत दाधीच ने इस शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस विश्वविद्यालय में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्क होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक–चिकित्सकों डघ् वृषाली बारब्दे व डघ् नरेन पटवा द्वारा दिनांक 25 मार्च 2025 को सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मौसम के बदलाव से होने वाले रोगों जैसे खाघ्सी, जुखाम, बुखार गले एवं कान में दर्द, अस्थि रोग, नेत्र रोग ;आई ोलूक्र जैसी अन्य रोगों की जानकारी एवं दवाईयाघ्देकर लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान पुलिस विश्वविद्यालय की कुलसचिव डघ् शिल्पा सिंह का विशेष सहयोग रहा।

विश्वविद्यालय में शुरू होगा पंचगव्य थेरेपी पर देश का पहला पीजी डिप्लोमा

आयुर्वेद चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिनांक 29 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय ने देश का पहला पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन पंचगव्य थेरेपी शुरू करने की घोषणा की है। यह दो वषत्र्य डिप्लोमा कोर्स होगा, जिसमें कुल तीस सीटों पर स्नातक उ ीर्ण विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस कोर्स के माध्यम से पंचगव्य चिकित्सा को वैज्ञानिक और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के अनुरूप विकसित किया जाएगा। कोर्स पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को पंचगव्य चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार और शोध के अवसर मिलेंगे। इस कोर्स को शुरू करने के लिए गठित समिति की अंतिम बैठक संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय के अधिष्ठाता प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कोर्स की रूपरेखा, पाठ्य म सामग्री, प्रशिक्षण प्रि या, परीक्षा प्रणाली और प्रमाणन प्रि या पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समिति सदस्य एवं परीक्षा नियंत्रक डघ् राजाराम अग्रवाल, उप कुलसचिव डघ् मनोज कुमार अदलखा, यूनिवर्सिटी कघ्लेज अघ्क नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज के प्राचार्य डघ् र्ची भान शर्मा तथा लक्ष्य पर्यावरण एवं जनकल्याण संस्था के सचिव राकेश निहाल उपस्थित रहे।

एनईपी–2020 पर विशेष व्याख्यान आयोजित

विश्वविद्यालय में दिनांक 27 मार्च 2025 को राष्टीय शिक्षा नीति ;एनईपी–2020क्र पर एक विशेष व्याख्यान का पीजीआईए सेमिनार हॉल में आयोजन किया गया। मुख्य व७ा जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्रो. ड्ड ष्णावतार गोयल ने एनईपी – 2020 के अन्तर्गत एबीएस, एफवाईयूपी, एनसीआरएफ आदि पर गहन चर्चा की और नई शिक्षा नीति के प्रभावों, चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति प्रो. ;वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने छात्रों को एनईपी–2020 के अंतर्गत शिक्षा सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनईपी–2020 में बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान और नवाचार को प्राथमिकता दी गई है, जिससे छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पधत्रबनाया जा सके। कार्य म में इस अवसर पर एनईपी चेयरमैन प्रोफेसर चंदन सिंह ने भी अपने विचार व्य७ किए। उन्होंने कहा कि राष्टीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने के लिए तैयार की गई है, जिससे छात्रों को बहुआयामी शिक्षा प्राप्त करने और अपनी क्षमताओं का संपूर्ण विकास करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इस नीति को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्य म को सफल बनाने में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट अघ्क आयुर्वेद ;पीजीआईएक्र के प्राचार्य प्रो. महेी कुमार शर्मा, एनईपी कोऑर्डिनेटर प्रो. हरीश सिंघल एवं एनईपी सदस्य प्रो. रितु कपूर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के सभी संकाय सदस्य एवं स्नातक तथा स्नातको ार छात्र उपस्थित रहे।

आयुर्वेद शिविर में 58 रोगी लाभान्वित

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा ग्राम पंचायत भवाद में दिनांक 27 मार्च 2025 को एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सविता बिश्नोई ने बताया कि शिविर में 58 रोगी लाभान्वित हुए जिसमें महिलाओं के मासिक धर्म से संबंधित विकार, त्वेत प्रदर, स्तन्यक्षय, कष्टार्तव, उदर शूल, योनि भ्रंश, त्वक विकार, ज्वर, सन्धि शूल, कास, वंध्यत्व के साथ सामान्य बीमारियों का निःशुल्क उपचार किया गया।

आयुर्वेदिक शिविर में 141 मरीजों का निःशुल्क उपचार

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय द्वारा गोदग्राम केलावा कलां में दिनांक 28 मार्च 2025 को निःशुल्क चल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन व्याधियों से ग्रस्त रोगियों को उचित आयुर्वेदिक चिकित्सा और परामर्श प्रदान करना तथा ग्रामीणों को आयुर्वेद तथा योग के प्रति जागरुक करना था। शिविर प्रभारी डॉ. नवनीत दाधीच ने बताया कि शिविर में ज्वर, प्रतिश्याय, जानु शूल, कटि शूल, अजीर्ण, मंदाग्नि, त्वक् विकार आदि विभिन्न रोगों से पीड़ित 141 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक परामर्श दिया गया और उन्हें निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गई। शिविर के दौरान डॉ. अवधेश शांडिल्य ने गांव के लोगों को आयुर्वेद तथा योग से संबंधित स्वास्थ्यवर्धक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद तथा योग को नित्य जीवन में अपनाकर पूर्ण स्वास्थ्य की प्राप्ति आसानी से की जा सकतीं है।

बाल स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

दिनांक 28 मार्च 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय घड़ाव में बाल स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 78 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य का आंकलन करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरुकता फैलाना था। शिविर में डॉ. दिनेश वर्मा ने **हम स्वस्थ कैसे रहें** विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, व्यक्तिगत स्वच्छता और समय पर टीकाकरण के महत्व पर जोर दिया।

बच्चों ने इस सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वस्थ रहने के लिए उपयोगी जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया।

ट्रेडिशनल योगासन सीनियर ग्रुप में डॉ. कृष्णा ने जीता कांस्य पदक

युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अस्मिता योगासन सिटी लीग का आयोजन 30 मार्च 2025 को श्रीगंगानगर में किया गया। विश्वविद्यालय के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की पीजी अध्येता डॉ. कृष्णा शर्मा ने इस लीग में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया। विभागाध्यक्ष डॉ. ए नीलिमा ने बताया कि प्रतियोगिता में टैडिशनल योगासन एवं आर्टिस्टिक सिंगल योगासन प्रतिस्पर्द्धाएं 12–18 व 18–55 वर्ष इन दो ग्रुप में हुई। टैडिशनल योगासन सीनियर ग्रुप में डॉ. कृष्णा ने पदक जीता। इसके साथ ही डॉ. कृष्णा का चयन आगामी अस्मिता जोन के लिए भी हुआ है।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त

विश्व आयुर्वेद परिषद की राष्टीय कार्यसमिति की बैठक में डॉ. राकेश कुमार शर्मा को राजस्थान का नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मथुरा में आयोजित राष्टीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्टीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने यह घोषणा की। डॉ. राकेश शर्मा जोधपुर आयुर्वेद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

दो दिवसीय राष्ट्रीय अग्निकर्म–विद्धकर्म कार्यशाला आयोजित

विश्व आयुर्वेद परिषद चिकित्सक प्रकोष्ठ जोधपुर प्रांत की ओर से वेटरिनरी विश्वविद्यालय अॉडिटोरियम, बीकानेर में दो दिवसीय राष्टीय अग्निकर्म– विद्धकर्म कार्यशाला का आयोजन 28 एवं 29 मार्च 2025 को हुआ। कार्य म के मुख्य अतिथि विधायक जेठानंद व्यास, पश्चिम बीकानेर, कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति, पशु विश्वविद्यालय कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, श्री ठ्ठ ष्ण मुरारी अखिल भारतीय किसान संगठन मंत्री, भारतीय किसान संघ, वेटरिनरी रिसर्च के निदेशक डघ्र बी. एन. श्रृंगी, वित्त्व आयुर्वेद परिषद राष्टीय अध्यक्ष प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष डघराकेश शर्मा, प्रदेश महासचिव डघ विनोद गौतम, प्रदेश प्रभारी चिकित्सक प्रकोष्ठ डघपवन सिंह शेखावत, आयोजन सचिव डघ्र रिडमल सिंह राठौड़ ने भगवान धनवंतरि प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्य म की विधिवत शुरुआत की। कार्य म के प्रारंभ में प्रदेशाध्यक्ष डघ राकेश शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए, कार्य म का परिचय दिया। चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी डघपवन सिंह शेखावत ने संगठन का परिचय एवं उद्देश्य की जानकारी रखी। कार्य म के मुख्य अतिथि विधायक बीकानेर पश्चिम जेठानंद व्यास ने कहा कि आयुर्वेद प्रभावी, दुष्प्रभाव रहित चिकित्सा पद्धति है, सरकार आयुर्वेद के व्यापक विस्तार के लिए कटिबद्ध है। आयुर्वेद विकास के क्षेत्र में आ रही सभी समस्याओं के उचित समाधान के पूर्ण प्रयास किए जाएंगे। आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्यक्रप्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि अग्निकर्म व विद्धकर्म आत्ययिक दर्द निवारक के रूप में प्राचीन आयुर्वेद चिकित्सा विधा है। इनका अधिकाधिक उपयोग बढ़े, इसके लिए निरंतर कार्य म आयोजित किए जा रहे हैं और भविष्य में इन विधाओं में डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की दिशा में भी कार्य शुरू किया जाएगा।

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

उप संरक्षक
श्री अखिलेश कुमार पिपल (RAS)
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह-सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. भानुप्रिया चौधरी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, काय चिकित्सा

डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://department.rajasthan.gov.in/home/dptHome/221
स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ

प्रिण्टेड बुक

सेवा में

....

....

....

....